A–0161

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BAJY (N)-121

मुहुर्त विचार

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. मुहूर्त शब्द की व्युत्पत्ति का वर्णन करते हुए गर्भाधान, जातकर्म, एवं नामकरण मुहूर्त का वर्णन कजिए।

2. तिथि, वार को परिभाषित करते हुए सविस्तार से उल्लेख कीजिए।

3. योग, करण का सैद्धान्तिक विवेचन करते हुए सविस्तार से उल्लेख कीजिए।

4. यात्रा में वार शुद्धि और लग्न शुद्धि का सविस्तार से वर्णन कीजिए।

5. संस्कारों का परिचय देते हुए कर्णवेध एवं मुण्डन संस्कार के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. उपनयन संस्कार के महत्व का वर्णन करते हुए, मुहूर्त का वर्णन कीजिए।

2. यात्रा में तारा शुद्धि और चन्द्र शुद्धि का वर्णन कीजिए।

3. यात्रा में शकुन निर्णय पर प्रकाश डालिए।

4. जलाशय खनन, वास्तु शान्ति और जीर्णादि गृह प्रवेश मुहूर्तों पर प्रकाश डालिए।

5. नक्षत्र का सैद्धान्तिक विश्लेषण कीजिए।

6. योग एवं करण के प्रकार को बतलाते हुए उसका विस्तृत लेख लिखिए।

7. सम्प्रति संस्कारों की आवश्यकता क्या है ? स्पष्ट करते हुए महत्व पर प्रकाश डालिए।

8. पुंसवन एवं नामकरण संस्कार को परिभाषित करते हुए उसका विस्तार से उल्लेख कीजिए।

****